भारत सरकार

उत्तर पूर्वी क्षेत्र विकास मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्याः 1524

उत्तर देने की तारीख 31 जुलाई, 2024 (बुधवार)

9 श्रावण, 1946 (शक)

प्रश्न

पूर्वोत्तर क्षेत्र में निवेश

1524. श्री बैजयंत पांडाः

क्या **उत्तर पूर्वी क्षेत्र विकास मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) पूर्वोत्तर क्षेत्र में निवेश आकर्षित करने और व्यापार को बढ़ावा देने के लिए क्या उपाय किए गए हैं; और

(ख) पिछले दस वर्षों से इस क्षेत्र में विदेशी और घरेलू निवेश प्रवाह के आंकड़ों का ब्यौरा क्या है?

उत्तर

उत्तर पूर्वी क्षेत्र विकास राज्य मंत्री

(डॉ. सुकान्त मजूमदार)

(क) भारत सरकार ने पूर्वोत्तर क्षेत्र (एनईआर) में निवेश अनुकूल ईकोसिस्टम बनाने के लिए कई पहल की हैं जैसेः भारत में व्यवसायों को प्रभावित करने वाले नियामक फ्रेमवर्क में सुधार के लिए व्यवसाय सुधार कार्य योजना (बीआरएपी); मंत्रालयों/राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों में सरकार से व्यवसाय और नागरिक इंटरफेस को सरल, युक्तिसंगत, डिजिटल और गैर-अपराधीकृत करके ईज़ ऑफ डुइंग बिजनेस और जीवन जीने में आसानी में सुधार करने के लिए व्यवसायों और नागरिकों पर अनुपालन बोझ को कम करना; स्थानीय नुकसान को कम करने और पहाड़ी, दूरदराज और दुर्गम क्षेत्रों में औद्योगीकरण की प्रक्रिया को सुविधाजनक बनाने के लिए फ्रेट सब्सिडी स्कीम (एफएसएस), 2013 के तहत औद्योगिक इकाइयों को उनके तैयार उत्पाद और कच्चे माल के परिवहन के लिए सब्सिडी देना; उत्तर पूर्व औद्योगिक और निवेश प्रोत्साहन नीति (एनईआईआईपीपी), 2007, उत्तर पूर्व औद्योगिक विकास स्कीम (एनईआईडीएस), 2017 और उन्नति (उत्तर पूर्व परिवर्तनकारी औद्योगिकीकरण), 2024 नामक स्कीमों को अधिसूचित करके पूर्वोत्तर राज्यों में औद्योगीकरण को प्रोत्साहित करना और रोजगार सृजन को बढ़ावा देना।

इसके अलावा, पूर्वोत्तर क्षेत्र में व्यापार और निवेश को बढ़ावा देने के लिए वित्तीय वर्ष 2023-24 के दौरान उत्तर पूर्वी क्षेत्र विकास मंत्रालय ने विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया, जिनमें अन्य बातों के साथ-साथ असम, मेघालय, मिजोरम, नागालैंड, सिक्किम और त्रिपुरा राज्यों में गोलमेज सम्मेलन; नई दिल्ली में राजदूतों की बैठक; नई दिल्ली, कोलकाता और हैदराबाद में विदेशी चैंबर्स/वाणिज्य/उद्योग संघों के साथ गोलमेज सम्मेलन; मुंबई, हैदराबाद और कोलकाता में रोड शो; और सभी पूर्वोत्तर राज्यों के साथ वाइब्रेंट गुजरात ट्रेड शो, 2024 में भाग लेना शामिल है। इन गतिविधियों ने पूर्वोत्तर राज्यों को संभावित निवेशकों से जुड़ने तथा पूर्वोत्तर राज्यों की निवेश संभावनाओं को उजागर करने के लिए मंच प्रदान किया।

(ख) पूर्वोत्तर क्षेत्र में किए गए घरेलू और विदेशी निवेश का ब्यौरा केन्द्रीय स्तर पर नहीं रखा जाता है। हालाँकि, उद्योग संवर्धन और आंतरिक व्यापार विभाग अक्टूबर, 2019 से देश में इक्विटी प्रवाह के माध्यम से प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) के आंकड़े रखता है। अक्टूबर, 2019 से मार्च, 2024 तक एफडीआई इक्विटी प्रवाह के संबंध में पूर्वोत्तर क्षेत्र का राज्यवार विवरण **अनुबंध** में दिया गया है।

*****

अनुबंध

दिनांक 31.07.2024 को उत्तरार्थ लोक सभा अतारांकित प्रश्न संख्या 1524 के भाग (ख) के उत्तर में संदर्भित अनुबंध

एफडीआई इक्विटी प्रवाह (अक्टूबर, 2019 से मार्च, 2024 तक)

क्र.सं.	**राज्य**	**राशि (मिलियन अमेरिकी डॉलर में)**
i.	अरुणाचल प्रदेश	5.55
ii.	असम	20.85
iii.	मेघालय	1.10
iv.	त्रिपुरा	0.75

*****